पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से परिवीक्षाधीन न्यायिक अधिकारियों ने भेंट की

लखनऊः 05 सितम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक से आज परिवीक्षाधीन न्यायिक अधिकारियों ने राजभवन में भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल की प्रमुख सचिव, सुश्री जूथिका पाटणकर, सचिव, श्री चन्द्र प्रकाश, विधि सलाहकार, श्री एस0एस0 उपाध्याय, निदेशक, जे0टी0आर0आई0, श्री अनुपम गोयल सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने न्यायिक अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत में राज्य के तीनों स्तम्भ न्यायपालिका, विधायिका एवं कार्यपालिका में न्यायपालिका का दायित्व अत्यन्त महत्वपूर्ण है। नागरिक अधिकारों एवं मानव अधिकारों की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका का है। न्यायसंगत निर्णय के साथ तत्परता एवं निष्पक्षता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि 'जस्टिस डिलेड इज जस्टिस डिनाइड' को अपना आदर्श वाक्य बनायें।

श्री नाईक ने कहा कि न्याय में देरी न्याय न मिलने के बराबर है। सभी को समय पर और सहज न्याय मिलना चाहिए तथा न्यायिक अधिकारी न्याय की प्रतिष्ठा बढ़ाने में योगदान करें। उन्होंने कहा कि पीड़ित के साथ कानून के आधार पर न्याय होना चाहिए, जिससे लोगों का विश्वास बढ़े।

राज्यपाल ने इस अवसर पर महाराष्ट्र के तारापुर अणु ऊर्जा प्रोजेक्ट के विस्थापितों की बात करते हुए कहा कि उन्होंने मुम्बई हाईकोर्ट में स्वयं उपस्थित होकर विस्थापितों का पक्ष रखा था। उन्होंने अपने जीवन के अनेक संस्मरण भी साझा किये। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को उनके उज्जवल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी।

अन्जुम/रा0/राजभवन